



वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी
ब्र.कु. गीता दीदी, माउण्ट आबू

जरा सोचें...

ज्ञान समझने का मतलब... परिवर्तन

बाबा की याद से ही आत्मा शुद्ध बनती है, शक्तिशाली बनती है। अभी हमारी साधना का, तपस्या का लक्ष्य भी यही है। साधना की जाती है आत्मा शुद्धि के लिए। भक्ति में हम तपस्या करते हैं भगवान को पाने के लिए, हमें भगवान मिल चुका है। हमें भगवान का सम्पूर्ण सत्य ज्ञान मिल गया है। बाबा से सर्व प्राप्तियाँ करके अपने आप को सम्पन्न और सम्पूर्ण बनाना यही हमारा लक्ष्य है। हमें तपस्या क्या करनी है? हमारी पहली तपस्या देहभान से न्यारा, आत्म-अभिमानी बनना है।

फाउंडेशन डालकर खुश रहना है या भवन भी बनाना है। हमें तो पूरी बिल्डिंग बनानी है, पूरी लाइफ बनानी है, पूरी नई दुनिया हमें बनानी है तो हमें इतनी ही मजबूती से आगे भी अपने आपको बढ़ाना है। जो हमारे अंदर कमियाँ, जानते हैं हर एक अपने आपको क्योंकि ज्ञान तो बाबा ने सम्पूर्ण बनने का दिया है। इसलिए जानते हैं कौन-सी कमी-कमजोरियाँ हैं। पर हमने शायद ये स्वीकार कर लिया है कि ये थोड़ी बहुत कमियाँ तो रहेंगी, इसलिए पॉवरफुल फाउंडेशन डाला।

है। जो है उसकी खुशी नहीं है, जो नहीं है वो ही बार-बार माइंड होता है। सेम आध्यात्मिक दृष्टि से भी है। जो है धारणायें वो कॉमन हो गई और जो नहीं है, वो ही दिखाई देती हैं। हमारे ये बहुत पुराने ज्ञानी हैं पर फिर कमी का वर्णन करते हैं हम। ये बहुत अच्छे, पर तेरी-मेरी करते हैं, ये बहुत अच्छे, पर गुस्सा करते हैं, अवस्था बिगड़ती रहती है, जो कमी है वो ही वर्णन हो रही है, तो मुझे ये कमी क्यों रखनी है? पूछो अपने आप से, इसलिए बाबा ने सम्पन्न बनने का लक्ष्य दिया, कोई भी कमी नहीं, ऐसे नहीं मैं तो ये सहन नहीं कर सकती, वो हमें करना है, सीखना है। इसके कारण अवस्था बार-बार बिगाड़ते नहीं रहना। क्योंकि अभी बार-बार स्थिति बिगड़ना माना फिर-फिर पानी फिर जाना। और हर कर्म बाबा कहते हैं सम्पूर्ण, परफेक्ट। काफी बातों में हम एक्यूरेट बन गये हैं, पर कहाँ नहीं है। ज्ञान बाबा सम्पूर्णता का देता है इसलिए खुद को भी समझ तो आ जाता है कि ये मेरा ठीक नहीं है।

हमें समय से पहले अपने आपको सम्पूर्ण बनाना है। योग का लक्ष्य क्या है, तपस्या से मुझे क्या बनना है? बाबा कहते हैं ना, जन्म-जन्मान्तर के विकर्मों का बोझा हमारे सिर पर है वो योग बल से उतारना है। हमें खुद ही खुद को रियलाइज कराना है।

हर कर्मोन्द्रियों से देह भान का त्याग करना। हर कर्मोन्द्रियों में आत्म अभिमानिता का तेज भरना। ये हमारा फाउंडेशन है। बार-बार ये महसूस करना है कि मैं कौन हूँ। मैं आत्मा हूँ, शरीर से अलग हूँ। हमें अपने आपको बार-बार डिटेच करते रहना है। अगर बाबा से जुड़ना है, योग लगाना माना बाबा से कनेक्ट होना। जुड़ना है तो मुझे यहाँ से डिटेच होना है। देहभान से, इन्द्रियों के रसों से अपने आपको ऊँचा उठाना है। कहाँ इन्द्रियों के रसों में डूबे हुए थे, हमें उससे न्यारा होना है। देह, देह के सम्बन्ध, दुनिया, वैभव, पदार्थ, दैहिक क्रियाएँ इसलिए बाबा ने पहले हमारे पूरे जीवन को बदला है। हमारा योग कोई क्रिया नहीं है। जो घंटा-दो घंटा कर लें, हमारा योग जीवन पद्धति है। जीवन को श्रेष्ठ विधि से जीने की कला है। इसलिए केवल अभ्यास की बात नहीं है, हमें टोटल लाइफ को चेंज करना है।

ब्राह्मण बनने के बाद दो साल, दास साल... वो कमजोरियाँ हमारे से गई नहीं। इसलिए इतने अच्छे योगी, पवित्र योगी बनने के बाद भी, मैंने सोचा, इतनी ऊँची धारणाओं के बाद भी हमारे जो साथी हैं लौकिक या अलौकिक हमारे आगे-पीछे हमारे बारे में कौन-सी बातें करते हैं? हमारी कमी-कमजोरियों की ही बातें करते हैं। देखो आप चेक करो वरना पवित्रता, अन्न शुद्धि, अमृतवेला उठना, रोज ज्ञान-योग करना। कितनी ऊँची धारणाएँ हैं हमारे जीवन की, पर इसका प्रभाव नहीं है, जो कमियाँ हैं वो ही बातें होती हैं, होती हैं कि नहीं। हमें ये कमियाँ निकालनी हैं या नहीं? पूछना है अपने आप से कि इन कमियों के बारे में हमने क्या सोच लिया?

देखो जब तक हम अपने आपको सम्पन्न नहीं बनायेंगे तब तक संतुष्टता जीवन में नहीं आयेगी। भौतिक रूप से भी घर में सोचते हैं ना! हमारे घर में हर साधन हो, सुविधाएँ हों। जो आवश्यक है वो हर साधन हो, हर सुविधा हो, वर्णन भी करते हैं, हमारे घर में ये है, ये है, ये नहीं है बस। वहाँ असंतुष्टता आ जाती

जो ज्ञान, योग, धारणा और सेवा मैं कर रही हूँ, पर एक्यूरेट कर रहे हैं? जिस विधि से होना चाहिए वो परफेक्ट विधि से है? यहाँ सब कुछ ठीक रखा हो, एक चीज उल्टी रखी हो, तो उसपर ही ध्यान जाता है। भई सब ठीक है पर ये गुलदस्ता तो उल्टा रखा है। अटेंशन वहीं जाता है कि ये थोड़ा टेढ़ा है, थोड़ा बांका है तो हम भी ठीक कर देते हैं उसको। तो स्थूल में भी देखो परफेक्शन चाहते हैं ना! तो जीवन के बारे में क्यों नहीं, स्थिति के बारे में क्यों नहीं? बाकी ऐसे ही चलते रहने से तो टाइम पास होता जा रहा है। हमें तो आगे बढ़ना है, लक्ष्य पर पहुँचना है। हमें अपनी आधी-अधूरी स्थिति से संगम पूरा नहीं करना है। लक्ष्य है ना सबका कि हमें समय से पहले अपने आपको सम्पूर्ण बनाना है। योग का लक्ष्य क्या है, तपस्या से मुझे क्या बनना है? बाबा कहते हैं ना, जन्म-जन्मान्तर के विकर्मों का बोझा हमारे सिर पर है वो योग बल से उतारना है। हमें खुद ही खुद को रियलाइज कराना है।



घार-म.प्र.। कर्नाटक के राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोट के शहर में आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. शीतल बहन, ब्र.कु. अनु बहन व ब्र.कु. शीला बहन।



गांधीधाम-भारत नगर(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा कच्छ जिला स्थित अंजार गांव में विशेष श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय (मिस्त्री) समाज के समस्त बंधुओं के लिए आयोजित 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण से मानव जीवन आनंद उत्सव पर्व' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्र.कु. आशा दीदी, खानपुर दिल्ली सेवाकेन्द्र संचालिका, राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. गोदावरी दीदी, मुत्तुंड सबजोन इंचार्ज, मुम्बई, श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज महासभा के उप प्रमुख राजयोगी ब्र.कु. बाबू भाई, विनोद सोलंकी, समाजरत्न, श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज, मनोज वेगड़, विनोद जेटवा, वरिष्ठ उपप्रमुख महासभा श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज, अमिता सोलंकी, महिला मण्डल प्रमुख, श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज सहित अन्य गणमान्य लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



ग्वालियर-लक्ष्कर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज के महिला प्रभाग द्वारा 'महिलाएं नए भारत की ध्वजवाहक' थीम के अंतर्गत 'घर बने मंदिर' विषय पर सकल जैन महिला समाज की बहनों के लिए आयोजित कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह में इन्दू जैन, अध्यक्ष, जैन मिलन महिला महानगर परिषद, रेखा पटौदी, आँसू पौड मुस्कान प्रोजेक्ट, प्रांतीय अध्यक्ष अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद, मिट्टू सेठी, संभागीय अध्यक्ष, निर्मल जैन, फालका बाजार, क्षेत्रीय कार्यकारी सदस्य जैन मिलन, बी.के. भगवती जैन, ब्र.कु. आदर्श बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. महिमा बहन, श्रीमति आशा सिंह, समाज सेविका, ब्र.कु. जीतू सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।



कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला ऑफिसर्स के सम्मान एवं होली मिलन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए महिला थाना प्रभारी श्रीमति मंजू शर्मा, डी.एस.पी. शालिनी परस्ते, आर.आई. श्रीमति लवली सोनी एवं समस्त महिला पुलिस स्टाफ सहित ब्र.कु. बहनें।



मंदसौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वाली महिलाओं के सम्मान एवं होली मिलन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला, सकल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष बिंदु चंदे, विधुस महिला संगठन अध्यक्ष अनामिका जैन तथा नगर के अनेक संस्थाओं से आर्थी गणमान्य महिलाओं सहित सुवासरा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. श्यामा बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उषा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।



इंदौर-प्रेमनगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. वंदना अग्निहोत्री, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, माता जिजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, इंदौर, विनीता चौहान, प्रख्यात कवयित्री एवं लेखिका, सीए श्रेया सिंह, असिस्टेंट क्रेडिट मैनेजर, कॉसमॉस बैंक, इंदौर, दीपिका राजपूत, पटवारी, मंजूषा जोहरी, डायरेक्टर, शिवम्, सीए महक केसवानी, ब्र.कु. शशि दीदी, संचालिका, मुख्य सेवाकेन्द्र, प्रेमनगर इंदौर पश्चिम क्षेत्र, ब्र.कु. यश्विनी दीदी, इंदौर प्रेमनगर सह संचालिका एवं बिजलपुर उप सेवाकेन्द्र संचालिका तथा ब्र.कु. शारदा बहन, इंदौर बैराठी कॉलोनी उप सेवाकेन्द्र संचालिका।